**B**

**SCR 745**

## ANNUAL EXAMINATION MODEL QUESTION MARCH 2020 - 21

**STD. X** — **Third Language**

**Time : 90 minutes** — **HINDI** — **Total Score : 40**

**सामान्य निर्देश :**

- पहला बीस मिनट कूल ऑफ़ टाईम है ।
- इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें ।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का ही उत्तर लिखें ।

**Score**

**भाग – 1 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।**

> पैन में कुछ स्याही बची थी, उसे साहिल ने ज़मीन पर छिडक दिया । नई स्याही भरवाने केलिए दोनों दूकान पहुँचे ।" एक पैन स्याही भर दो ।" साहिल से पहले ही बेला ने दुकानदार से कहा । " बेटा स्याही की बोतल अभी–अभी खाली हो गई है । अब तो कल ही मिल पाएगी । " " लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही थी उसे भी ज़मान पर छिडक दिया । " बेला बोली ।" बादल को देखकर घडे को नहीं ढुलाना चाहिए । " दुकानवाले भैया ने कहा और पूछा " कौन–सी में पढते हो ? "

1. " अब तो कल ही मिल पाएगी । "- दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा होगा ? — 1

   (क) दुकान की स्याही की बोतल टूट गयी है । (ख) दुकान की स्याही की बोतल खाली हो गई है ।

   (ग) बच्चों के पास स्याही केलिए पैसा नहीं है । (घ) दुकान की स्याही खराब हो गई है ।

2. " बादल को देखकर घडे को नहीं ढुलाना चाहिए । "- दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा ? — 2

3. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें । — 4

**(ख) सूचना : ' सबसे बडा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 1 से 3 तक के उत्तर लिखें ।**

> बहुत मुबाहिसा के बाद वह अंतत : चार्ली को स्टेज पर ले गया और बचाव के कुछ शब्द कह उसे अकेला छोड आया । धुएँ के उडते हुए छल्लों के बीच चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया । कुछ देर तक आर्केस्ट्रा वाले उसकी आवाज़ में उस गाने की धुन तलाशते रहे और वह जैसे ही मिली, गाना सजने लगा ।

1. माँ और मैनजर के बीच बहस क्यों हुआ ? — 1

   (क) आवाज़ फटने के कारण माँ का स्टेज से हटना । (ख) चार्ली को स्टेज पर लाने का मैनेजर की ज़िद ।

   (ग) बच्चे की हालत सोचकर माँ का डर जाना । (घ) चार्ली का गाना सुनकर लोगों की हँसी ।

2. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** — 2

   ( मशहूर, छल्लों के बीच )

   - चार्ली ने गाना शुरू किया ।
   - चार्ली ने गीत गाना शुरू किया ।
   - ----------------।
   - ----------------------------- ।

3. **सही मिलान करके लिखें ।** — 4

| | |
|---|---|
| माँ की आवाज़ खराब हो गयी | मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था । |
| चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद की | बचाव के कुछ शब्द कह अकेला छोड आया । |
| माँ बहुत डर गई | माँ स्टेज से हट गई । |
| मैनेजर चार्ली को स्टेज पर ले गया | चार्ली उग्र भीड को झेल पाएगा । |

SREENATH R. KOVOOR VARKALA, SCRT45 Ph: 9567224545

**भाग – 2 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(क) सूचना : ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ टिप्पणी का यह अंश पढें और प्रश्न 4 से 6 तक के उत्तर लिखें ।**

“ व्यक्ति को नहीं नहीं जानते था, हताशा को जानता था “ कहते ही वे “ जानने “ की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह “ जानने ” की याद दिलाती है ।

4. कवि के मत में व्यक्ति को जानने का मतलब है ? 1

(क) नाम से जानना (ख) हताशा से जानना

(ग) आर्थिक स्थिति को जानना (घ) ओहदे से जानना

5. अपरिचित होने पर भी कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की । - इससे क्या संदेश मिलता है ? 2

6. **‘ मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना है ‘-** पाठभाग के आधार पर इस विषय पर **टिप्पणी** लिखें । 4

**अथवा**

आप के स्कूल में **‘ अंगदान महादान ’** विषय पर एक **संगोष्ठी** आयोजित किया है । इसकेलिए एक **पोस्टर** तैयार करें ।

**(ख) सूचना : ‘ आई एम कलाम के बहाने ’ फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 4 से 6 तक के उत्तर लिखें ।**

फिल्म में हमारा नायक का असल नाम ‘ कलाम ’ नहीं है । ढाणी पर काम करने वाले और बच्चों की तरह उसे भी सब छोटू कहकर बुलाते हैं । उसकी माँ जैसलमेर के किसी सुदूर देहात से आकर उसे भाटी सा की चाय की थडी पर काम करने के लिए छोड जाती है । वह अंग्रेज़ी तो क्या हिंदी भी ठीक से नहीं जानती । लेकिन छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता । वह खुद अपना नाम ‘ कलाम ’ रख लेता है । इस नाम में उसकी आकांक्षाओं का अक्स है । उसके हाथ से बनाई चाय में जादू है । भाटी सा भी उसकी कलाकारी वाहवाही करते नहीं थकते ।

4. फिल्म का नायक अपना नाम कलाम रखा । क्योंकि – ? 1

(क) वह कलाम नाम पसंद करता है। (ख) वह कलाम जैसा बनना चाहता है।

(ग) वह कलाम के साथ काम करता है। (घ) वह कलाम का पडोसी बनना चाहता है।

5. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- कलाम सीख जाता है । ( विदेशी, झट से )
- कलाम बोली सीख जाता है ।
- ---------------।
- ------------------------- ।

6. छोटू टीवी में राष्ट्रपति कलाम को देखकर उनके समान बनने का निश्चय कर लेता है । **कलाम की** उस दिन की **डायरी** लिखें ।

**अथवा** 4

पाठभाग के आधार पर **छोटू उर्फ कलाम** की **चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी** लिखें ।

* गरीब परिवार का * राष्ट्रपति कलाम सा बनना चाहनेवाला * चाय की दुकान में काम करनेवाला

* सब कार्य जल्दी सीखनेवाला * स्कूल जाकर पढना चाहनेवाला * दोस्ती को ऊँचा स्थान देनेवाला

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRHS ph 9567124545

**भाग – 3 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(क) सूचना : ‘ सबसे बडा शो मैन ’ जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 7 से 9 तक के उत्तर लिखें ।**

अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं । कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार... ।
दुनिया के सबसे बडे शो मैन का यह पहला शो था। उसने जन्म ले लिया था।

7. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) लोग तालियाँ बजाने लगीं । (ख) लोग तालियाँ बजाने लगे ।
(ग) लोग तालियाँ बजाने लगा । (घ) लोग तालियाँ बजाने लगी ।

8. अंत में दर्शकों ने तालियाँ बजाकर माँ का स्वागत क्यों किया ? 1

9. इस घटना का जिक्र करते हुए **चार्ली की माँ** अपनी सहेली के नाम पत्र लिखती है । वह **पत्र** तैयार करें । 4

**अथवा**

अपनी पहली शो का जिक्र करके चार्ली उस दिन की डायरी लिखता है । **चार्ली** की **डायरी** कल्पना करके लिखें ।

**(ख) सूचना : ‘ बीरबहूटी ’ कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 7 से 9 तक के उत्तर लिखें ।**

एक दिन सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया । पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकडकर फेंकनेवाले थे, वह गलती ही नहीं । उन्होंने बेला को छोड दिया । बेला के भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था । उसने देखा कि बेला के पाँव अभी भी काँप रहे हैं । जैसे वह खडे –खडे अभी गिर जाएगी । सुरेंदर जी माटसाब कॉपी को उसके बैठने की जगह पर फेंकते हुए कहा, “ बैठ अपना जगह पर ।“ बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं । वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी, क्योंकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में बहुत अच्छी है। जब वह असके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।

7. बेला साहिल से नज़र क्यों नहीं मिला पाई ? 1

(क) बेला को बालों में पंजा फँसाने से दर्द हुआ। (ख) माटसाब साहिल को भी पीट लेंगे।
(ग) साहिल के सामने बेला लज्जित हो गई थी। (घ) बेला को देखने पर साहिल को गुस्सा आएगा।

8. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) माटसाब कॉपी जाँचेगा । (ख) माटसाब कॉपी जाँचेंगे ।
(ग) माटसाब कॉपी जाँचेगी । (घ) माटसाब कॉपी जाँचेंगी ।

9. घर जाते समय साहिल और बेला इस घटना के बारे में बातें करते हैं । साहिल और बेला के बीच की संभावित **बातचीत** लिखें ।

**अथवा** 4

कॉपी जाँचते वक्त गणित के माटसाब ने बेला नामक की पाँचवीं कक्षा में पढती लडकी के बालों में पंजा फँसाया। इस घटना के आधार पर **रपट** तैयार करें।

SREEJITH P. KOVOOR VARKALA, SCRV45 Ph. 9567224545

**भाग – 4 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(ख) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 10 से 12 तक के उत्तर लिखें ।**

> दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी । कोई उसे " होए हेए होए सफेद पट्टी " कह रहा था तो कोई " सुल्ताना डाकू " तो कोई कुछ और कहकर चिढा रहा था।
> " ये क्या हो गया बेला ?" साहिल ने परेशान होते हुए पूछा। " छत से गिर गई " बेला ने हँसते हुए कहा और कहा,
> " बहुत दिन हो गए, आज खेल घंटी में गांधी चौक में लंगडी टाँग खेलेंगे। "

10. **सही विकल्प चुनकर लिखें ।** 1

(क) मैं + के = तेरे (ख) तुम + के = तेरे (ग) तू + के = तेरे (घ) हम + के = तेरे

11. बेला के सिर पर चोट कैसे लगी ? 1

(क) स्टूल पर गिरने के कारण। (ख) खेत में गिरने के कारण।
(ग) छत से गिर जाने के कारण। (घ) मैदान में गिरने के कारण।

12. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें। 4

**अथवा**

कहानी के आधार पर **साहिल और बेला की दोस्ती** के बारे में **टिप्पणी** लिखें ।

**(ख) सूचना : ' बच्चे काम पर जा रहे हैं ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 10 से 12 तक के उत्तर लिखें ।**

> कोहरे से ढँकी सडक पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
> सुबह–सुबह
> बच्चे काम पर जा रहे हैं
> हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
> भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
> लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
> काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?

10. **' भयानक पंक्ति '-** में विशेषण शब्द कौन–सा है ? 1

11. कवि के मत में वर्तमान समय के सबसे भयानक बात क्या है ? 1

(क) खेल के मैदानों का नष्ट होना (ख) बच्चों का काम पर जाना
(ग) घरों को आँगन का नष्ट होना (घ) सारे बगीचों का नष्ट होना

12. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें। 4

**अथवा**

**बालश्रम के विरुद्ध** संदेश देनेवाला एक **पोस्टर** तैयार करें ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

**भाग – 5 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(क) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 13 से 15 तक के उत्तर लिखें ।**

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ

13. **नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।** 1

वह मेरी हालत जानता है । उसको मेरी हालत मालूम होगी ।
वे मेरा हाल जानते हैं । ----------------------------।

14. कवि ने हाथ बढाया तो उस व्यक्ति ने क्या किया ? 1

15. **' जानना '** शब्द की लेखक की व्याखा से आप कहाँ तक सहमत हैं ? 2

**(ख) सूचना : ' गुठली तो पराई है ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 13 से 15 तक के उत्तर लिखें ।**

गुठली रोने लगी, तो बुआ ने डाँटा, " क्या शादी के घर में मनहूसियत फैल रही है ? " तभी माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड पर लिख दिया । ये अक्षर छपाई जैसे नहीं थे, फिर भी गुठली माँ के प्यार से मान गई ।

13. गुठली का मुँह क्यों उतर गया ? 1

(क) कार्ड में बुआ का नाम नहीं था । (ख) कार्ड में माँ का नाम नहीं था ।
(ग) कार्ड में भाई का नाम नहीं था । (घ) कार्ड में गुठली का नाम नहीं था ।

14. माँ ने गुठली को मानने केलिए क्या किया ? 1

15. " भूला नहीं है रे ... अपने घर की छोरियों का नाम कार्ड पर नहीं छपते ।"- ताऊजी के इस कथन पर अपना मत लिखें । 2

SREENITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545

**भाग – 6 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(क) सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का ' लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 16 से 17 तक के उत्तर लिखें ।**

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से निचले इलाकों में उतरे पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं । महीनों तक फैले चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । वे गीत गाते हैं, नाचते हैं। पशुचारकों के साथ उनकी भेड–बकरियाँ, घोडे–खच्चर और कुत्ते भी होते हैं। रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन–देन भी होता रहता है। वे जानवरों के साथ–साथ कीडाजडी, करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जडी व औषधियाँ भी बेचते हैं।

16. **नमूने के अनुसार लिखें ।** 1

| | |
|---|---|
| महात्मा अच्छा भजन गाते हैं। | महात्माओं से अच्छा भजन गाया जाता है। |
| नेता मीठी कहानी सुनाते हैं। | ---------------------------------------------। |

17. ' नकद–उधार के आंकडे कहीं दर्ज़ नहीं होते '- आपसी विश्वास के दम पर चलते लेन देन का **रपट** तैयार करें। 4

**(ख) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 16 से 17 तक के उत्तर लिखें ।**

इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले !

16. **' अचानक '**– का समानार्थी शब्द कवितांश से चुनकर लिखें। 1

17. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें। 4

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA

**भाग – 7 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

**(क) सूचना : ' दिशाहीन दिशा ' यात्रावृत्त का यह अंश पढें और प्रश्न 18 से 19 तक के उत्तर लिखें ।**

" अब हम लौट चलें साहब ", कुछ देर बाद उसने कहा, " सर्दी बढ रही है और मैं अपनी चादर साथ नहीं लाया । " अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उसकी तरफ़ बढा दिया । कहा, " लो, तुम यह पहन लो । अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे । तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ। "

18. **नमूने के अनुसार लिखें ।** 1

मैं गज़ल गा सकता हूँ । तू गज़ल --------------------- ।

19. भोपाल ताल में अब्दुल जब्बार और अविनाश के साथ की सैर का अनुभव मोहन राकेश दफ्तर के एक मित्र से बाँटना चाहते हैं । भोपाल ताल की सैर के अनुभवों के ज़िक्र करते हुए मित्र के नाम **मोहन राकेश** का **पत्र** लिखें । 4

**अथवा**

यात्रावृत्त के उपर्युक्त अंश के आधार पर अविनाश और मल्लाह के बीच हुए संभावित **वार्तालाप** तैयार करें ।

**(ख) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 18 से 19 तक के उत्तर लिखें ।**

मैं स्कूल जाने में रोया करता था । रोज़ नए बहाने बनाया करता और जब तेज़ बारिश के दिनों में स्कूल के रास्ते में पानी भर जाने से छुट्टी हो जाया करती तो मैं घर पर नाचा करता । लेकिन मैं समझ नहीं पाता कि मोरपाल बिना नागा रोज़ स्कूल क्यों चले आते थे ? उनका स्कूल को लेकर प्रेम इतना गहरा था कि रविवार की छुट्टी का दिन उनके लिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन हुआ करता । मैं स्कूल की नीली –खाकी यूनीफॉर्म से हमेशा चिढा करता और उसे पहनना हमेशा टाला करता। वहीं मोरपाल मुझे जब भी दिखा, हमेशा वही स्कूल की यूनीफॉर्म पहने ही दिखा।

18. लेखक बारिश के दिनों में घर पर नाचा करता था । क्यों ? 1

(क) उसे स्कूल जाना नहीं पडेगा । (ख) उसे गृहकार्य नहीं करना पडेगा ।

(ग) उसे बारिश बहुत पसंद था । (घ) उसे पूरे दिन खेल नहीं पाएगा ।

19. **संबंध पहचानें, सही मिलान करके लिखें ।**

| | |
|---|---|
| मोरपाल आज भी | एक बच्चा बन जाता था । |
| रोज़ स्कूल जाना | आठवीं के बाद छूट जाता है । |
| स्कूल जाते समय मोरपाल | खेत मजूरी करता है । |
| मोरपाल का स्कूल | मिहिर को पसंद नहीं था । |

**अथवा**

**मिहिर और मोरपाल के जीवन अनुभवों** के आधार पर **टिप्पणी** लिखें ।

## उत्तर सूचिका – CODE B

**भाग – 1**

**(क)** 1. दुकान की स्याही की बोतल खाली हो गई है ।

2. साहिल ने पैन में नई स्याही भरवाने की इच्छा से उसमें बची स्याही को जमीन पर छिडक दिया । दुकान पहुँचने पर वहाँ स्याही नहीं थी । तब दुकानदार ने साहिल से ऐसा कहा । कहने का मतलब है, किसी वस्तु को मिलने की प्रतीक्षा में हमारे पास के वस्तु को छोडना मूर्खता है । बिना सोच विचार करके कुछ नहीं करना चाहिए ।

3. **पटकथा- (पैन में स्याही भरवाने दूकान में**)

स्थान - गाँव की स्टेशनरी की दुकान ।

समय - सुबह 10 बजे ।

पात्र - 1. बेला, करीब 11 साल की लडकी, स्कूल यूनीफॉर्म पहनी है, पीठ पर बस्ता है ।
2. साहिल, करीब 11 साल का लडका, स्कूल यूनीफॉर्म पहना है, पीठ पर बस्ता है ।
3. दुकानदार, करीब 50 साल के आदमी, धोती और कुर्ता पहने हैं ।

दृश्य का विवरण - बेला और साहिल पैन में स्याही भरवाने केलिए दुकान के पास खडे हैं ।

**संवाद -**

दुकानदार - अरे बच्चे, क्या चाहिए ?

बेला - अंकिल, एक पैन स्याही भर दो ।

दुकानदार - बेटा, स्याही की बोतल अभी-अभी खाली गई है । अब तो कल ही मिल पाएगी ।

साहिल - बाप रे ! अब मैं क्या करूँ ?

बेला - क्या हुआ बेटा ?

बेला - इसने पैन में बची हुई स्याही को ज़मीन पर छिडक दिया ।

दुकानदार - (हँसते हुए) बेटा, बादल को देखकर घडे को नहीं ढुलाना चाहिए ।

साहिल - आज मैं कैसे स्कूल जाऊँ ?

दुकानदार - बेटा, स्याही कल मिलेगी । कौन - सी कक्षा में पढते हो तुम ?

साहिल - (बुरे मन से) पाँचवीं में ।

दुकानदार - दोनों ?

बेला - (खुशी से) हाँ, हम दोनों एक ही सेक्शन में पढते हैं । स्कूल का समय हो गया अंकिल, हम चलते हैं ।

दुकानदार - तो कल आओ बेटे, तब स्याही ज़रूर मिलेगी ।

बेला - ठीक है अंकिल । (चलते हुए) साहिल अब हम क्या करेंगे ?

साहिल - चलो, किसीसे उधार लेंगे ।

(दोनों बच्चे निराश होकर दुकान से बाहर आते हैं ।)

**(ख)** 1. चार्ली को स्टेज पर लाने का मैनेजर की ज़िद ।

2. **छल्लों के बीच** चार्ली ने गीत गाना शुरू किया ।
छल्लों के बीच चार्ली ने **मशहूर** गीत गाना शुरू किया ।

3. **सही मिलान करके लिखें ।**

| | |
|---|---|
| माँ की आवाज़ खराब हो गयी | माँ स्टेज से हट गई । |
| चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद की | मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था । |
| माँ बहुत डर गई | चार्ली उग्र भीड को झेल पाएगा । |
| मैनेजर चार्ली को स्टेज पर ले गया | बचाव के कुछ शब्द कह अकेला छोड आया । |

**भाग – 2**

**(क)** 4. हताशा से जानना

5. किसी व्यक्ति की सहायता करने केलिए उसको व्यक्तिगत रूप से जानने की ज़रूरत नहीं है । उसकी हताशा, दुख-दर्द, विवशता, समस्या, आवश्यकता आदि को पहचानना ही असली जानना है । दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना चाहिए ।

6. **टिप्पणी- मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना है**

समकालीन हिंदी कवि विनोद कुमार शुक्ल की हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था कविता पर नरेश सक्सेना लिखी टिप्पणी में जानना शब्द को एक विशेष अर्थ प्रस्तुत किया है । यह कविता हमारी जानी पहचानी रूढी को तोड देते हैं । मनुष्य की समस्या को पहचानने केलिए उसको व्यक्तिगत रूप से जानने की ज़रूरत नहीं । किसीकी मदद करने केलिए उसकी दुख –दर्द और एहसास को समझना ही उचित होगा । यानी एक व्यक्ति को जानने केलिए उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे, जाति अदि की ज़रूरत नहीं । उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट को जानना ही सच्चा जानना है । मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना चाहिए । सडक पर घायल पडे या मुसीबत में पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर उसकी मदद करना सच्चे मनुष्य का दायित्व है । व्यक्ति को जानने के बदले उसकी आवश्यकता या समस्या पहचानकर उसे ज़िंदगी की ओर वापस ले आना ही असली जानना है । अर्थात दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।

SREEJITH R, KUNNOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545

**अथवा**

**. पोस्टर (संगोष्ठी) – अंगदान महादान**

सरकारी जी.एच.एस.एस, कोल्लम
संगोष्ठी
विषय – **अंगदान महादान**
आयोजन – हिंदी मंच
2018 जनवरी 18, गुरुवार को
सुबह 10 बजे, स्कूल सभा भवन में
उद्घाटन – शिक्षा मंत्री,केरल
प्रस्तुति - हिंदी अध्यापक
भाग लें... लाभ उठाएँ...
सबका स्वागत

**(ख)** 4. वह कलाम जैसा बनना चाहता है ।

5. कलाम बोली **झट से** सीख जाता है ।
कलाम **विदेशी** बोली झट से सीख जाता है ।

6. **कलाम की डायरी ( टीवी में कलाम को देखने के बाद )**

तारीख : ..................

आज मेरे मन में एक विचार आया । वह मैं कभी साकार करूँगा । मुझे सब छोटू बुलाते हैं । आज से मेरा नाम कलाम है । टीवी में हमारे राष्ट्रपति डॉ.कलाम का भाषण मैंने देखा । कितना प्रभावकारी शब्द है उनका । भविष्य में मैं भी डॉ.कलाम जैसा बनूँगा । उनके नाम आज ही एक पत्र लिखूँगा । फिर उनसे मिलूँगा । इसकेलिए पढना ज़रूरी है । मैं कठिन परिश्रम करूँगा और सफल हो जाऊँगा ।

**अथवा**

**टिप्पणी - छोटू उर्फ कलाम के की चरित्रगत विशेषताएँ**

' नील माधव पांडा ' की ' आई एम कलाम ' फिल्म का नायक है छोटू उर्फ कलाम । चाय की दूकान में काम करनेवाले कलाम का सपना था - स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालोंवाला राष्ट्रपति कलाम सा बनना । एक अलग जीवन, बेहतर जीवन का सपना दिखाने से कलाम को स्कूल जाना बहुत पसंद था । वह सबकुछ जल्दी से सीखनेवाला था तथा जीवन की कठिनाइयों को हराकर बडे आदमी बनने की आशा रखनेवाला एक ईमानदार लडका भी । घुडसवारी सीखने और पेड पर चढना सिखाने के लेन देन को लेकर रणविजय के साथ उसकी दोस्ती हो जाती है । अंग्रेज़ी सीखने में रणविजय उसकी मदद करता है तो कलाम रणविजय को हिंदी । स्कूल के हिंदी भाषण प्रतियोगिता केलिए भाषण तैयार करने में कलाम रणविजय की सहायता भी करता है । दोस्ती को ऊँचा स्थान देने से अपने ऊपर चोरी का आरोप लगाने पर अपने मित्र को बचाने केलिए वह उस आरोप को सह लेता है । राष्ट्रपति कलाम जी से मिलने वह गाँव छोडकर दिल्ली तो पहुँचता है पर उनसे मिल न सकता । अंत में अपने दोस्त के साथ स्कूल जाकर पढने में वह सफल बनता है ।

**भाग – 3**

**(क)** 7. लोग तालियाँ बजाने लगे ।

8. पाँच वर्षीय बालक चार्ली ने अपनी मासूमियत से गीत गाकर, बातचीत करके, नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर चिल्लाते दर्शकों को अपने वश में लाया । उसने जनता में गुदगुदी फैला दी । इसलिए दर्शकों ने तालियाँ बजाकर माँ का स्वागत किया ।

9. **चार्ली की माँ का पत्र**

स्थान : ..................

तारीख : ..................

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ ।

कल मेरा एक म्यूज़िक प्रोग्राम था । क्या कहूँ ? प्रोग्राम शुरू ही हुआ था । मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई । लोग चिल्लाने लगे । मैं स्टेज से हट गई । मैं इस विचार में था कि क्या करूँ ? तभी मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर ले गया । उसने कमाल कर दिया । लोग खुश हुए । उसे बहुत पैसे भी दिए । इस प्रकार मेरे मान की भी रक्षा हुई । मेरे लाडले को लोग एक शो मैन मान लिया है । लगता है आगे उसका समय रहेगा ।

वहाँ तुम्हारी नौकरी कैसे हो रही है ? तुम कब यहाँ आओगी ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

**अथवा**

**चार्ली की डायरी**

तारीख : ..................

आज मेरेलिए कैसा दिन था,बता नहीं सकता । माँ के आवाज़ खराब होने से मुझे पहली बार स्टेज पर जाना पडा । लोग बहुत शोर मचा रहे थे । पहले मैं बहुत डर गया था । फिर भी मैं अपनी मासूमियत से मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया । गाना आधा ही हुआ तो स्टेज पैसों की बौछार हो लगी । फिर मैंने अपनी निष्कलंकता से गीत गाकर,बातचीत करके,नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर सबको खुश कराने लगा । खूब पैसा भी मिला । लोगों ने मुझे एक शो मैन की तरह मान लिया था । मेरा यह पहला शो हमेशा यादों में रहेगा ।

**(ख)** 7. साहिल के सामने बेला लज्जित हो गयी थी ।

8. माटसाब कॉपी जाँचेंगे ।

9. **वार्तालाप – साहिल और बेला (माटसाब का व्यवहार)**

साहिल - बेला, तुम दुखी है क्या ?

बेला - कुछ नहीं ।

साहिल - अरे, तुम जानती हो न माटसाब ऐसा ही हैं ।

बेला - मैंने कोई गलती नहीं की थी । फिर भी उन्होंने मेरे बालों में पंजा फँसाया ।

साहिल - हाँ, वे भी जानते थे । इसलिए तुम्हें छोड दिया ।

बेला - मैं सचमुच डर गई थी ।

साहिल - हाँ, मैं भी डर गया था ।

बेला - मेरे पाँव काँप रहे थे । मुझे लगा कि मैं गिर जाऊँगी ।

साहिल - मैं तुम्हें देख रहा था ।

बेला - मैं बहुत लज्जित हूँ ... सबको मुँह कैसे दिखाउँ ? अकारण मुझे पीटने केलिए वे एक सोरी तो बोल सकते थे ... पर ।

साहिल - तुम इस घटना को भूलो ।

बेला - पर ... मैं दुख सह न पाती । घर जाकर माँ से यह बात ज़रूर बताऊँगी ।

साहिल - ज़रूर बताना । अब खुशी से घर जाओ ।

बेला - ठीक है साहिल, मैं कोशिश करूँगी ।

**अथवा**

**रपट (बेला के साथ माटसाब का व्यवहार)**

**छोटी लडकी के साथ माटसाब की क्रूरता**

स्थान : …………… फुलेरा गाँव के स्कूल की पाँचवीं कक्षा में पढती बेला नामक दस साल की लडकी के साथ गणित के माटसाब सुरेंदर जी ने ऐसी क्रूरता दिखाई । कॉपी जाँचते वक्त उसमें गलती पाकर माटसाब ने बेला के बालों मे पंजा फँसाकर उसे फेंकने लगा । लेकिन सच में वह गलती न होने से उसे छोड दिया । उसे एक अच्छी लडकी माननेवाले अपने मित्रों के सामने हुए यह अपमान वह सह न सकती थी । छोटे बच्चों के साथ ऐसा क्रूर व्यवहार एक अध्यापक केलिए लायक नहीं है । कहा जाता है कि पूरे स्कूल के छात्र उनसे डरते हैं । कॉपी में ज़रा -सी गलती होने पर बच्चों को इधर उधर फेंक देना या झापड मारना उनकी आदत थी । बेला के पिता ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज़ की है ।

**भाग – 4**

**(क)** 10. तू + के = तेरे

11. छत से गिर जाने के कारण ।

12. **पटकथा - 4 (गाँधी चौक के लंगडी टाँग खेल)**

स्थान – स्कूल का मैदान ।

समय – सुबह 10 बजे ।

पात्र - 1. बेला, करीब 11 साल की लडकी, स्कूल यूनीफॉर्म पहनी है ।

2. साहिल, करीब 11 साल का लडका, स्कूल यूनीफॉर्म पहनी है ।

दृश्य का विवरण– दीपावली के बाद स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी । यह देखकर साहिल उसकेपास आता है ।

**संवाद -**

साहिल - (परेशान होकर) तेरे सिर पर यह क्या हो गया बेला ?

बेला - (हँसकर) छत से गिर जाने से चोट लग गयी ।

साहिल - यह कब हुआ ?

बेला - बहुत दिन हो गए ।

साहिल - अब दर्द है क्या ?

बेला - नहीं । आज खेल घंटी में हम गाँधी चौक में लंगडी टाँग खेलेंगे ।

साहिल - नहीं खेलेंगे ।तेरे सिर में फिर से चोट लग जाएगी तो …?

बेला - (ज़िद करते हुए) नहीं लगेगी ।

साहिल - तो ठीक है । अपनी मर्ज़ी ।

(दोनों खुशी से कक्षा में जाकर बैठते हैं ।)

**अथवा**

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SOR145 ph 9567224545

**टिप्पणी – साहिल और बेला की दोस्ती**

साहिल और बेला प्रभात की कहानी बीरबहूटी के मुख्य पात्र हैं। वे दोनों फुलेरा गाँव के पाँचवीं कक्षा में पढनेवाले छात्र हैं। वे एक साथ स्कूल आते-जाते हैं। बीरबहूटियों को खोजने केलिए और खेलने केलिए एक साथ निकलते हैं। दोनों एक ही क्लास में पढते हैं, एक ही बेंच पर पास-पास बैठते हैं। कक्षा में साहिल जो करता है वही बेला भी करती है। एक साथ कॉपी लिखते हैं। किताब पढते तो दोनों किताब पढते, पाठ भी एक ही पढते। एक साथ पानी पीने चले जाते हैं। वे पास-पास रहते हैं। दोनों अच्छे दोस्त हैं। एक का दुख दूसरे का भी है। सुरेंदर जी माटसाब बेला के बालों में पंजा फँसाने पर साहिल दुखी हो जाता है। छत से गिरकर बेला के सिर पर चोट लगने पर भी। साहिल की पिंडली में कील लग जाने पर बेला भी बहुत दुखी हो जाती है। पाँचवीं का रिज़ल्ट आया तो छठी कक्षा में दोनों अलग-अलग स्कूलों में पढने जाने की बात सोचकर बेला को रुलाई आई तो साहिल की आँखें भी लाल हो गईं। दोनों आपस में सांत्वना देते हैं। इस प्रकार दोनों की अनुपम दोस्ती हम देख सकते हैं।

**(ख)** 10. भयानक　　　　11. बच्चों का काम पर जाना

12. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवि श्री.राजेश जोशी की सुंदर कविता है बच्चे काम पर जा रहे हैं से ली गई हैं। इसमें कवि बाल मज़दूरी पर तीखा प्रहार करते हैं।

कवि कहते हैं कि बडे सबेरे कोहरे से ढँकी सडक पर बच्चे काम करने केलिए जा रहे हैं। भूख और गरीबी के कारण कई बच्चों को काम पर जाना पडता है। यह हमारे समय की सबसे बडी समस्या है। क्योंकि यह उनको काम करने की उम्र ही नहीं है। यह इतनी भयानक समस्या है कि विवरण की तरह नहीं लिखा जा सकता। इसे एक सवाल की लिखना चाहिए। हमें चिंता करना है कि बच्चों के हँसने-खेलने की उम्र में उन्हें काम पर क्यों जाना पड रहा है ? कवि के अनुसार समस्याओं को सवालों की तरह लिखा जाने से आम जनता का ध्यान इस तरफ आकर्षित हो जाएगा। काम पर जानेवाले बच्चे सुरक्षित रहने व शिक्षा पाने के हकों से वंचित रह जाते हैं। आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। इसलिए उनको बचपन में ही शारीरिक एवं मानसिक विकास का अवसर मिलना चाहिए। इस अभिशाप को जड से मिटाने हम सब मिलकर कोशिश करना पडेगा।

समाज की एक बडी समस्या को कविता के द्वारा प्रस्तुत करने में कवि को पूर्ण सफलता मिली है। कविता की भाषा अत्यंत सरल एवं हमें चिंतित करने की प्रेरणा देनेवाली है।

**अथवा**

**पोस्टर (points) संदेश – बालश्रम के विरुद्ध**

**बालश्रम के विरुद्ध**

1. बालश्रम दुनिया की एक भीषण समस्या है...
   बच्चों को काम केलिए नहीं,स्कूल में भेज दें।
2. बालश्रम रोको...
   बच्चों को पढने,खेलने और बढने दें।
3. बालश्रम कानूनी अपराध है...
   बालश्रम करानेवालों को कठिन दंड दें।
4. आज के बच्चे कल के नागरिक हैं...
   मिटाओ जड से बालश्रम,बचाइए भविष्य अपने देश की।
5. जिस देश के बच्चों का कोई भविष्य नहीं...
   उस देश की अपनी कोई भविष्य नहीं।
6. बालश्रम एक अभिशाप है...
   एकसाथ हम इस सामाजिक समस्या का उन्मूलन करें।

**विश्व बालश्रम विरुद्ध दिवस – जून 12**

**भाग – 5**

**(क)** 13. उनको मेरा हाल मालूम होगा।　　　　14. व्यक्ति ने कवि का हाथ पकडा और उनके साथ चलने लगा।

15. जानना शब्द की लेखक की व्याख्या से मैं सहमत हूँ। अकसर हम दूसरों को उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से ही जानते हैं। लेकिन सच में किसीको जानना है तो उसके दर्द और एहसास को समझना चाहिए। उसकी हताशा, असहायता, दुख और कठिनाई को जाने बिना जानना कभी पूर्ण नहीं होता।

**(ख)** 13. कार्ड में गुठली का नाम नहीं था।　　　　14. माँ ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड पर लिख दिया।

15. गुठली के परिवार में शादी के कार्ड में वधु को छोडकर अन्य लडकियों के नाम छपवाने की परंपरा नहीं थी। पर सारे लडकों का नाम छपवाते थे। इसलिए गुठली का नाम नहीं छपवाया। ऐसा भेदभाव रखना कभी ठीक नहीं। मेरी राय में लडकी और लडका बराबर है। बुद्धि और क्षमता में दोनों समान है, इसलिए लडके को जो प्यार, सुविधाएँ और हक दिया जाता है, वे सब लडकियों को भी मिलना है। लडके-लडकियों के बीच भेदभाव रखना एक स्वस्थ समाज केलिए लायक नहीं है।

**भाग – 6**

**(क)** 16. नेताओं से मीठी कहानी सुनायी जाती है।

17. **रपट ( पशुचारक और गाँववालों के बीच का लेन-देन )**

**आपसी विश्वास के दम पर सदियों से व्यापार**

स्थान : ...... उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में बसते पशुचारकों और गाँववालों के बीच आपसी विश्वास के बल पर सदियों से लेन-देन हो रहा है। सर्दी बढने पर जानवरों के साथ निचले इलाकों में उतरे पशुचारक गर्मी होने पर वापस अपने घर लौटते हैं। इस समय रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन-देन चलता है। वे जानवरों के साथ -साथ दुर्लभ हिमालयी जडी और औषधियाँ भी बेचते हैं। इन गाँवों से उनका सदियों का रिश्ता है, इसलिए उसी समय पूरी कीमत चुकाने की ज़रूरत नहीं होती। वर्फीले मौसम में फिर निचले इलाकों में जाते वक्त पुरानी वसूली की जाती है। मज़े की बात है कि नकद-उधार के आंकडे कहीं दर्ज़ नहीं होते। केवल आपसी विश्वास के दम पर चलते यह व्यापार बिलकुल अलग ही है।

**(ख)** 16. सहसा

17. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **' श्री . धर्मवीर भारती '** की कविता संग्रह **' सात गीत वर्ष '** से चुनी गई ' टूटा पहिया ' कविता से ली गई हैं । महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है । इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए ।

कवि रथ का टूटा हुआ पहिया बताने के जैसे कहते हैं कि इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोडकर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है । उस समय सत्य के पक्ष, आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हुआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पडेगा । यानी समाज में शोषण और असमत्व बढते वक्त आम जनता को मानवीय मूल्यों का सहारा लेना पडता है ।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है । कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है ।

**भाग – 7**

**(क)** 18. गा सकता है ।

19. **यात्रा के बारे में लेखक का पत्र** स्थान : ......................................

प्रिय मित्र, तारीख : ....................................

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? वहाँ तुम्हारी क्या–क्या समाचार हैं ? मैं अब मित्र अविनाश के साथ भोपाल में हूँ । सकुशल मैं यहाँ पहुच गया ।

स्टेशन पर मेरे मित्र अविनाश आया था । एक दिन उसके साथ रहने का निश्चय किया । रात को हमने झील की सैर करने को सोचा । ग्यारह बजे निकले । एक नाव मिल गई । उसमें घूमने लगे । बहुत–ही सुंदर लग रही थी । तभी अविनाश की इच्छा हुई कि कोई कुछ गाए । मैं गा नहीं सकता था । आखिर मल्लाह गाने को तैयार हुए । वे कुछ गज़लें सुनाने लगे । बहुत मीठा था उनका स्वर । रात के साथ ठंड भी बढने लगी । लेकिन लौटने का मन नहीं हुआ । कुछ देर फिर सैर की। चार बजे ही लौटे ।

अगली बार तुम भी मेरे साथ आओ । ऐसी यात्राएँ बहुत ही आकर्षक होती है । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में, तुम्हारा मित्र
नाम (हस्ताक्षर)
पता । नाम

**अथवा**

**वार्तालाप – अविनाश और मल्लाह के बीच**

मल्लाह – अब हम लौट चलें साहब ।
अविनाश – क्यों ? क्या हुआ ?
मल्लाह – सर्दी बढ रही है न ?
अविनाश – तो क्या ?
मल्लाह – जी, मैं अपनी चादर साथ नहीं लाया ।
अविनाश – ( कोट अतारकर उसकी तरफ बढाते हुए ) लो, तुम यह पहन लो । अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे ।
मल्लाह – ( कोट पहनते हुए ) ठीक है साहब । यही तो काफी है ।
अविनाश – तुम्हें घर जाने की कोई आवश्यकता है क्या ?
मल्लाह – नहीं साहब । आपकी सैर खतम होने पर ही मैं जाऊँगा ।
अविनाश – ऐसा हो तो तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ ।
मल्लाह – ज़रूर साहब ।

**(ख)** 18. उसे स्कूल जाना नहीं पडेगा ।

19. **संबंध पहचानें, सही मिलान करके लिखें ।**

| | |
|---|---|
| मोरपाल आज भी | खेत मजूरी करता है । |
| रोज़ स्कूल जाना | मिहिर को पसंद नहीं था । |
| स्कूल जाते समय मोरपाल | एक बच्चा बन जाता था । |
| मोरपाल का स्कूल | आठवीं के बाद छूट जाता है । |

**अथवा**

**मिहिर और मोरपाल के जीवन अनुभवों के आधार पर टिप्पणी**

मिहिर संपन्न परिवार में जन्मा था। उनको रोज़ स्कूल जाना पसंद नहीं था । उनके पास बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदे बेहतर कपडे होने से उनकेलिए स्कूल यूनीफॉर्म एक बोझ थी । स्कूल में बिताए समय को वह अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था । लेकिन उनका साथी मोरपाल दरिद्र परिवार का था । वह रोज़ पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था । घर की कडी मेहनत और खेत मजूरी के बाद स्कूल का एकमात्र समय वह बच्चा बना रह सकता था । उसके पास एकमात्र कमीज़ -पैट का नया जोडा उसकी स्कूल यूनीफॉर्म ही थी । स्कूल में बिताए समय उसकेलिए बचपन का सबसे अच्छा समय था । रविवार की छुट्टी उनकेलिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन था ।